2018

CBCS

1st Semester

SANSKRIT

PAPER—GE1T

(Honours)

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

दश प्रश्नाः समाधेयाः। उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च देयम् – 10×2

যেকোনো *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখ।

(क) अस्मद् युष्मच्छशब्दयोः पञ्चमीबहुवचनस्य रूपं लिखत।

অস্মদ্ ও যুষ্মদ্ শব্দের পঞ্চমী বহুবচনের রূপ লেখ।

(ख) सम्प्रदानापादानकारकयोः एकैकमुदाहरणं दत्त।

সম্প্রদান ও অপাদান কারকের একটি করে উদাহরণ দাও।

(ग) निम्नोक्तशब्दानाम् उपयुक्तं रूपं गृहीत्वा एकं वाक्यं रच

(अस्मद्, पुस्तक, पठ्) –

বন্ধনী মধ্যস্থ শব্দগুলির উপযুক্ত রূপ চয়ন করে একটি বাক্য রচনা ক

(অস্মদ্, পুস্তক, পঠ্)

(घ) 'छात्रः <u>पुस्तकं</u> पठति' इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य कारकं विभक्तिं

निर्णयत।

'ছাত্রঃ <u>পুস্তকং</u> পঠতি' এই বাক্যের রেখাঙ্কিত পদের কারক ও বিভ

নির্ণয় কর।

(ङ) 'पति' शब्दस्य 'साधु' शब्दस्य' च चतुर्थ्या एकवचनस्य रूपं लिख

'পতি' ও 'সাধু' শব্দের চতুর্থী একবচনের রূপ লেখ।

(च) 'वाक्' शब्दस्य 'नदी' शब्दस्य च षष्ठ्या एकवचनस्य रूपं लिख

'বাক্' ও 'নদী' শব্দের ষষ্ঠী একবচনের রূপ লেখ।

(छ) बन्धनीस्थधातुशब्दयोः उचितं प्रयोगं कृत्वा शून्यस्थानं पुरयत

_____ (तद्) बालिका फलं _____ (खाद्-लुट्)

বন্ধনী মধ্যস্থ ধাতু ও শব্দের উপযুক্ত প্রয়োগ করে শূন্যস্থান পূরণ ক

_____ (तद्) बालिका फलं _____ (खाद्-लृट्)।

(ज) सन्धिं कुरूत – (i) पौ + अकः (ii) अहः + गणः।

সন্ধি কর : (i) পৌ + অকঃ (ii) অহঃ + গণঃ।

(झ) सन्धिविच्छेदं कुरूत – (i) नयनम् (ii) पतिरूवाच।

সন্ধিবিচ্ছেদ কর : (i) নয়নম্ (ii) পতিরূবাচ।

(ञ) परिणतरूपं लिखत – (i) पठ् + शतृ (ii) खाद् + क्त।

পরিণতরূপ লেখ : (i) পঠ্ + শতৃ (ii) খাদ্ + ক্ত।

(ट) प्रकृतिप्रत्ययौ प्रदर्शयत – (i) आगम्य (ii) गन्तुम्।

প্রকৃতিপ্রত্যয় নিরূপণ কর : (i) আগম্য (ii) গন্তুম্।

(ठ) क्तप्रत्ययं संयोज्य वाक्यमिदं कर्मवाच्ये परिणयत।

(छात्रः विद्यालयम् अगच्छत्)

নিম্নোক্ত বাক্যটিকে ক্ত প্রত্যয় যোগে কর্মবাচ্যে পরিণত কর :

(ছাত্রঃ বিদ্যালয়ম্ অগচ্ছৎ)

(ड) श्रीमद्भगवद्गीता केन विरचिता ? अस्मिन् ग्रन्थे कति अध्य

सन्ति ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার রচয়িতা কে? এই গ্রন্থে কয়টি অধ্যায় আছে

(ढ) श्रीमद्भगवद्गीतायाः नामान्तरं किम् ? द्वादशाध्यायस्य

किम् ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার অপর নাম কি? দ্বাদশ অধ্যায়ের নাম কি?

(ण) श्रीमद्भगवद्गीतायाः कः वक्ता कश्च श्रोता ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার বক্তা ও শ্রোতা কে?

2. चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। एकस्य प्रश्नस्य उत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभ

देवनागरीलिप्या च देयम्।

যেকোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। *একটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত

ও দেবনাগরী লিপিতে দিতে হবে।

क) 'आत्मन्' शब्दस्य अथवा 'मनस्' शब्दस्य प्रथमा-द्वितीया-तृतीयाविभक्तीनां सर्वाणि रूपाणि लिखत।

'আত্মন্' শব্দের অথবা 'মনস্' শব্দের প্রথমা, দ্বিতীয়া ও তৃতীয়া বিভক্তির সমস্ত রূপ লেখ।

ख) **एकस्य** धातोः लङ्लकारस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत (दा, कृ, ज्ञा)।

বন্ধনীমধ্যস্থ যেকোনো *একটি* ধাতুর লঙ্ লকারের সমস্ত রূপ লেখ (দা, কৃ, জ্ঞা)।

ग) **एकस्य** धातोः लट् लकारस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत। (सेव्, लभ्)।

বন্ধনীমধ্যস্থ যেকোনো একটি ধাতুর লট্ লকারের সমস্ত রূপ লেখ (সেব্, লভ্)।

घ) संस्कृतेन अनुवादं कुरूत –

সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ কর :

(i) আমার পুত্র সেই ফলটি খাচ্ছে।

(ii) ছাত্ররা মহাবিদ্যালয়ে গিয়েছিল।

(ङ) श्लोकमिमं व्यांव्यात –

मध्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।
श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः।।

নিম্নোক্ত শ্লোকটি ব্যাখ্যা কর :

মষ্যাবেশ্য মনো যে মাং নিত্যযুক্তা উপাসতে।

শ্রদ্ধয়া পরয়োপেতাস্তে মে যুক্ততমা মতাঃ।।

(च) 'ते प्राप्नुवन्ति मामेव' इति कः कमुक्तवान् ? 'ते' इत्यनेन बोध्यन्ते ?

'তে প্রাপ্নুবন্তি মামেব' এই বাক্যটি কে কাকে বলেছে? এই শব্দের দ্বা কাদের বোঝানো হয়েছে?

3. द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं दत्त – 2x

যেকোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(क) कारकं कतिविधम् ? सोदाहरणं तेषां परिचयं दत्त।

কারক কয় প্রকার? উদাহরণসহ তাদের পরিচয় দাও। 2

(ख) सन्धिः कतिविधः ? तेषां नामानि उदाहरणानि च विलिख्य कस्मि क्षेत्रे सन्धिः नित्यः इति आलोचयत।

সন্ধি কয়প্রকার ? তাদের নাম ও উদাহরণ লিখে কোন কোন ক্ষেত্রে সন্ধি নিত্য আলোচনা কর। 1+2+2+5

গ) 'यो मद्भक्तः स मे प्रियः इति वचनं कः कम् उक्तवान् ? कीदृशाः भक्ताः तस्य प्रियाः भवन्तीति श्रीमद्भगवद्गीतानुसारं प्रतिपादयत।

'যো মদ্ভক্তঃ স ম প্রিয়ঃ' এই কথাটি কে কাকে বলেছেন ? কীদৃশ ভক্ত তার প্রিয় তা শ্রীমদ্ভগবদ্গীতানুসারে প্রতিপাদন কর।

ঘ) 'गीता सुगीता कर्तव्या' इत्युक्तेः यथार्थतां प्रतिपादयत।

'গীতা সুগীতা কর্তব্যা' উক্তিটির যথার্থতা প্রতিপাদন কর।

———